

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा?																															
2. सारे दिन में 8 बार अशरीरीपन ड्रिल की?																															
3. व्यर्थ से मुक्त समर्थ स्थिति में ?																															
4. कर्म करते डबल लाइट स्थिति में रहे?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															



शिवभगवानुवाच :- रोज बीच-बीच में एक मिनट, दो मिनट, पांच मिनट अशरीरी बनने का अभ्यास

अपने दिनचर्या प्रमाण अवश्य करते रहो। समय आगे बहुत नाजुक आने वाला है। ऐसे टाइम पर अगर अभ्यास नहीं होगा तो सक्सेस नहीं हो सकेंगे। इस प्रैक्टिस की बहुत आवश्यकता है।



दिसम्बर 2023 के स्वमान व अभ्यास :-

- मैं खुशी से भरपूर एवरहेल्दी आत्मा हूं।
- मैं जिम्मेवार विश्व राज्य की ताजधारी आत्मा हूं।
- मैं अविनाशी स्वराज्य तिलकधारी आत्मा हूं।
- मैं दुआओं से संपन्न सदा संतुष्ट आत्मा हूं।
- मैं सहजयोगी समर्थ आत्मा हूं।
- मैं अचल, अडोल, मायाजीत आत्मा हूं।
- मैं मास्टर ज्ञानसूर्य, रहमदिल आत्मा हूं।
- मैं स्वराज्य अधिकारी शक्तिशाली आत्मा हूं।
- मैं साक्षीद्रष्टा, सुख स्वरूप आत्मा हूं।
- मैं ज्ञान योग की लाइट माइट से संपन्न आत्मा हूं।

- मैं आत्मा ज्ञान सूर्य बाप का लक्की सितारा हूं।
- मैं डबल लाइट शक्तिशाली आत्मा हूं।
- मैं स्वमान स्वरूप, सम्मानदाता आत्मा हूं।
- मैं शीतल संस्कारवान इच्छा मुक्त आत्मा हूं।
- मैं सर्व प्राप्तियों से भरपूर मायाजीत आत्मा हूं।
- मैं मास्टर बीजरूप आत्मा हूं।
- मैं शुभ भावना, शुभ कामना संपन्न आत्मा हूं।
- मैं परमात्म प्यार की अनुभवीमूर्त आत्मा हूं।
- मैं आत्मा बाप समान वरदानीमूर्त हूं।
- मैं आत्मा आधारमूर्त, उद्धारमूर्त हूं।
- मैं आत्मा मास्टर शान्ति का सागर हूं।
- मैं आत्मा मास्टर क्षमा का सागर हूं।
- मैं देव कुल की महान आत्मा हूं।
- मैं विघ्नमुक्त, विघ्नविनाशक आत्मा हूं।
- मैं पूर्वज व पूज्य आत्मा हूं।
- मैं बाप समान सदा जागती ज्योत हूं।
- मैं परमधाम निवासी श्रेष्ठ आत्मा हूं।
- मैं लाइट हाउस माइट हाउस आत्मा हूं।
- मैं मुस्कुराता हुआ रूहानी गुलाब हूं।
- मैं तपस्वी, राजयोगी, राजऋषि हूं।
- मैं आत्मा इस देह व दुनिया में मेहमान हूं...।

ओम् शान्ति